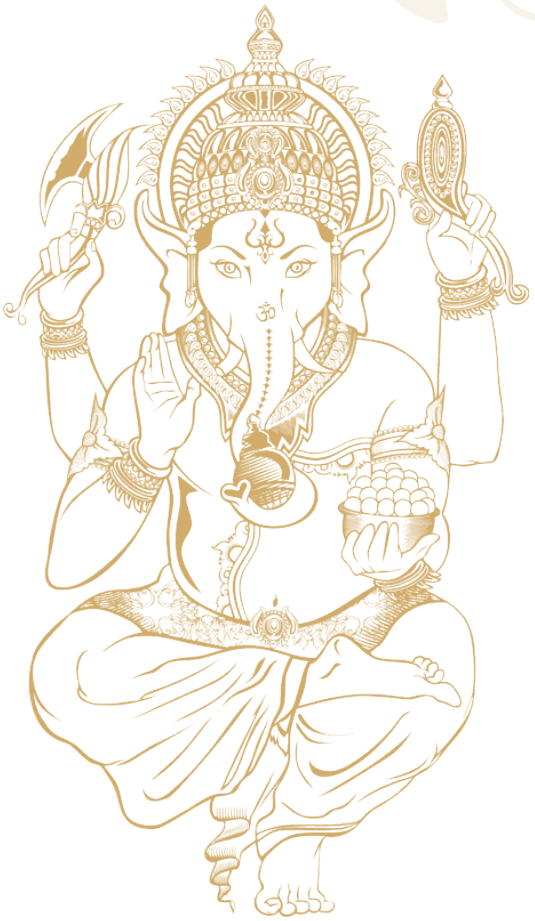

Mr. Anand new btr 4:38

07 Dec 1965

04:38 AM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 121364902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/12/1965**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:38:00 घंटे**
इष्ट	55:02:11 घटी
स्थान	**Katni**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	80:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:29:56 घंटे
वेलान्तर	00:09:02 घंटे
साम्पातिक काल	09:32:01 घंटे
सूर्योदय	06:37:07 घंटे
सूर्यास्त	17:20:54 घंटे
दिनमान	10:43:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:15:31 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:17:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:17:39	316:22:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	21:15:31	01:00:54	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	28:22:18	13:42:52	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	23:57:14	00:46:25	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	12:35:26	01:03:40	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	04:23:39	00:07:46	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	06:26:26	00:48:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			कुंभ	17:34:04	00:02:23	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु			वृष	11:20:03	00:00:26	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	11:20:03	00:00:26	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			सिंह	26:05:57	00:01:02	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
नेप			तुला	27:15:40	00:02:06	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	25:02:18	00:00:28	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			कर्क	27:13:34	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:22:36

लग्न-चलित

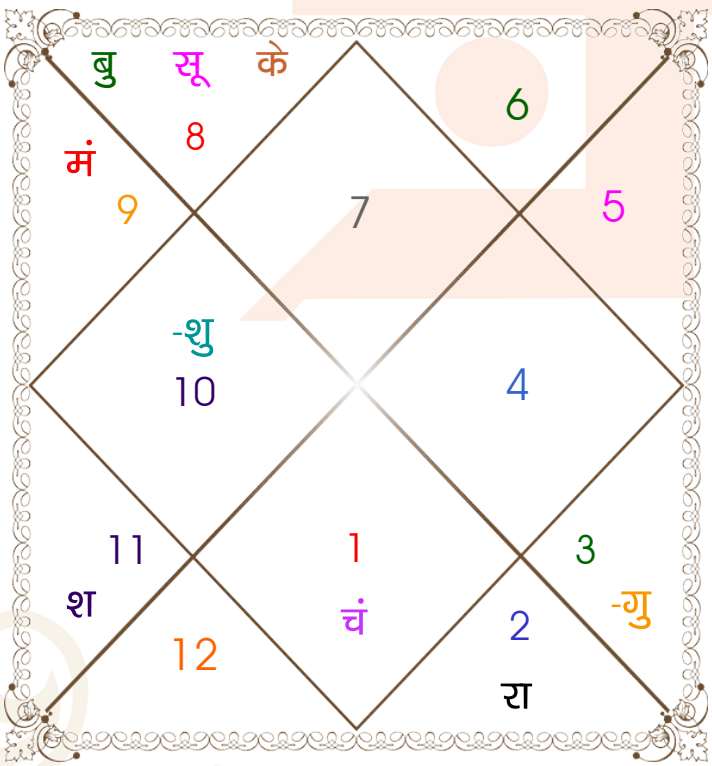

चन्द्र कुंडली

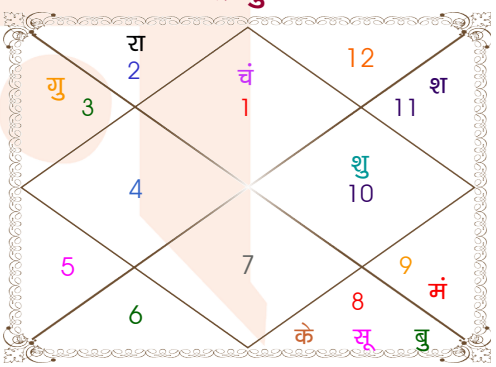

नवमांश कुंडली

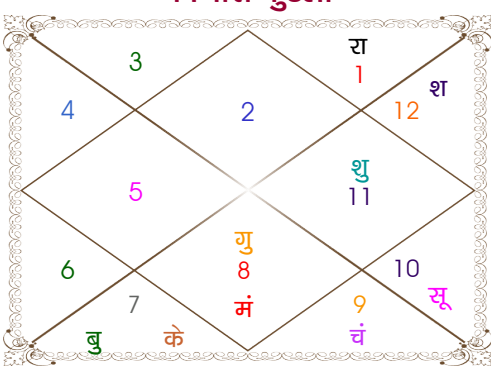

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 2 मास 24 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/12/1965		02/03/1971		01/03/1981		01/03/1988		02/03/2006	
02/03/1971		01/03/1981		01/03/1988		02/03/2006		02/03/2022	
	07/12/1965	चंद्र	31/12/1971	मंगल	29/07/1981	राहु	12/11/1990	गुरु	19/04/2008
चंद्र	19/12/1965	मंगल	31/07/1972	राहु	16/08/1982	गुरु	07/04/1993	शनि	31/10/2010
मंगल	25/04/1966	राहु	30/01/1974	गुरु	23/07/1983	शनि	12/02/1996	बुध	05/02/2013
राहु	20/03/1967	गुरु	01/06/1975	शनि	31/08/1984	बुध	31/08/1998	केतु	12/01/2014
गुरु	06/01/1968	शनि	31/12/1976	बुध	28/08/1985	केतु	19/09/1999	शुक्र	12/09/2016
शनि	18/12/1968	बुध	01/06/1978	केतु	24/01/1986	शुक्र	19/09/2002	सूर्य	01/07/2017
बुध	25/10/1969	केतु	31/12/1978	शुक्र	26/03/1987	सूर्य	13/08/2003	चंद्र	31/10/2018
केतु	02/03/1970	शुक्र	31/08/1980	सूर्य	01/08/1987	चंद्र	11/02/2005	मंगल	07/10/2019
शुक्र	02/03/1971	सूर्य	01/03/1981	चंद्र	01/03/1988	मंगल	02/03/2006	राहु	02/03/2022

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/03/2022		01/03/2041		02/03/2058		01/03/2065		01/03/2085	
01/03/2041		02/03/2058		01/03/2065		01/03/2085		00/00/0000	
शनि	04/03/2025	बुध	29/07/2043	केतु	29/07/2058	शुक्र	01/07/2068	सूर्य	19/06/2085
बुध	13/11/2027	केतु	25/07/2044	शुक्र	28/09/2059	सूर्य	01/07/2069	चंद्र	07/12/2085
केतु	21/12/2028	शुक्र	26/05/2047	सूर्य	03/02/2060	चंद्र	02/03/2071		00/00/0000
शुक्र	21/02/2032	सूर्य	01/04/2048	चंद्र	03/09/2060	मंगल	01/05/2072		00/00/0000
सूर्य	02/02/2033	चंद्र	31/08/2049	मंगल	30/01/2061	राहु	02/05/2075		00/00/0000
चंद्र	03/09/2034	मंगल	28/08/2050	राहु	18/02/2062	गुरु	31/12/2077		00/00/0000
मंगल	13/10/2035	राहु	17/03/2053	गुरु	24/01/2063	शनि	01/03/2081		00/00/0000
राहु	19/08/2038	गुरु	23/06/2055	शनि	04/03/2064	बुध	31/12/2083		00/00/0000
गुरु	01/03/2041	शनि	02/03/2058	बुध	01/03/2065	केतु	01/03/2085		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।